बालाजी के दरबार पे | By Kamal Kishore Kavi

चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे
दु:ख कट जाते जहाँ सारे संसार के
चलो सारे चलो बाबाजी के दरबार पे

सारे जग से बालाजी के दर की शान निराली है
दु:ख कलेश का नाम नहीं बस खुशहाली खुशहाली है
सदके जाऊं वारे जाऊं बाबाजी के प्यार पे
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

सुन्दर छवि है बालाजी की द्वारा मन को भाता है
मनोकामना पूरी हो जाए जो भी चल के आता है
बाबाजी ना खाली मोड़े बिना किसी उपहार के
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

कर्मरूपाद बाला मेहंदीपुर में शीश झुकाता है
कमल किशोर कवी हर दम बाबा की महिमा गाता है
जलवे सारे न्यारे भक्तों इस सच्ची सरकार के
चलो सारे चलो बालाजी के दरबार पे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-kamal-kishore-kavi/